4
उत्पादकता

4.1 उत्पादकता दक्षता की ऐसी माप है जिसके द्वारा मानव तथा सामग्री दोनों ही साधनों को सामग्रियों एवं सेवाओं के रूप में बदला जाता है ।

- आर्थिक कार्यकलाप की समस्त शाखाओं में उच्चतर उत्पादकता एवं अधिकाधिक उत्पादन एवं अधिकाधिक उत्पादन से आर्थिक उन्नति की रफ्तार तेज की जा सकती है । भमि एवं पूंजी के अतिरिक्त मानव संसाधन (श्रम) एक महत्वपूर्ण कारक (इनपुट) होने के कारण उसकी समग्र उत्पादकता किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है ।
- मानव के कौशल स्तर के अतिरिक्त कच्चे माल की गुणवत्ता एवं लगाई गई प्रौद्योगिकी भी उत्पादकता बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है ।

4.2 1995 के दौरान 1988 =100 आधार पर तालिका 4.1 पर उल्लिखित एशियाई देशों के उत्पादकता सूचकांक की तुलना से पता चलता है कि मलेशिया में उत्पादकता विकास की दर सर्वाधिक रही और उसके बाद कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, चीन गणतंत्र, भारत आदि का स्थान रहा । 18 एशियाई देशों में, जिनके लिए अध्ययन किए गए हैं, भारत का स्थान 5वां रहा । यह भी उल्लेखनीय है कि चीन गणराज्य, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और थाइलैंड के उत्पादकता सूचकांकों में लगातार सुधार का रूझान रहा है । भारत के उत्पादकता सूचकांकों में भी वृद्धि का रूझान दर्ज किया गया । एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता सूचकांकों का तुलनात्मक विवरण तालिका **4.1** में दिया गया है।

तालिका 4.1

एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता सूचकांकों के तुलनात्मक आंकड़े

देश/वर्ष	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995
चीन गणराज्य	100	106.25	111.65	117.86	123.03	129.10	134.55	141.04
फिजी	100	99.19	101.77	99.50	101.54	101.39	104.83	--
हागकांग	100	102.93	106.83	110.60	117.96	121.63	123.82	127.30
भारत	100	110.97	114.89	116.27	113.59	118.19	119.55	124.70

इंडोनेशिया	100	107.40	113.08	121.89	127.02	134.78	143.31	..
ईरान गणराज्य	100	99.71	108.09	115.78	117.92	119.09	116.53	117.14
जापान	100	105.49	109.25	111.28	111.34	110.39	111.30	113.00
कोरिया गणराज्य	100	102.19	108.37	115.25	118.84	123.33	130.37	138.34
मलेशिया	100	105.39	110.53	116.45	121.90	126.72	134.39	143.30
नेपाल	100	104.65	108.99	115.15	119.59	122.60	131.31	134.10
पाकिस्तान	100	101.45	103.10	112.48	116.38	115.09	116.73	118.88
फिलीपिंस	100	104.48	104.41	101.77	98.11	98.04	99.43	102.19
सिंगापुर	100	104.84	107.16	111.79	114.84	125.55	133.52	140.93
थाइलैंड	100	110.85	112.16	130.01	135.73	143.14	160.45	

स्त्रोतः उत्पादकता संबंधी आंकड़े, एशिया उत्पादकता संगठन, जापान

आधार : 1988 =100

4.3 भारत में सकल घरेलू उत्पाद प्रति नियोजित व्यक्ति के रूप में मापी गयी श्रम उत्पादकता वृद्धि 1986 के दौरान 6.84 प्रतिशत से लेकर 2000 में 3.12 प्रतिशत तक आंकी गयी है, जो देश में श्रम उत्पादकता के पूर्ण सुधार को दर्शाता है। भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि 1998 और 2001 के दौरान क्रमशः 5.37 प्रतिशत और 4.21 प्रतिशत थी जो कि एशिया में स्थित अन्य सभी देशों से बेहतर है। तथापि, कुछेक एशियाई देशों में उत्पादकता वृद्धि भारत से अधिक है।

4.4 एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता वृद्धि का तुलनात्मक विवरण तालिका 4.2 में दर्शाया गया है।

तालिका 4.2

श्रम उत्पादकता वृद्धि
(प्रतिनियोजित व्यक्ति के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद में वास्तविक वृद्धि)

क्र.सं.	देश/वर्ष	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001
1.	बंगलादेश	0.71	-0.15	3.12	1.74	1.18	3.17	1.63
2.	चीन गणराज्य	2.74	7.49	5.64	4.40	5.35	4.57	1.97
3.	फिजी	0.63	-1.13	-3.40	1.84	8.02	-0.91	लागू नहीं
4.	भारत	6.42	6.84	3.74	5.37	4.90	3.12	4.21
5.	ईरान	1.39	3.01	2.42	3.06	-0.34	2.32	2.31

6.	जापान	1.79	3.00	0.79	-0.47	0.95	2.93	0.89
7.	कोरिया गणराज्य	6.55	4.70	4.43	1.15	9.07	2.80	3.39
8.	मलेशिया	6.62	5.70	5.60	-1.79	3.86	6.10	0.29
9.	मंगोलिया	4.62	4.73	3.94	0.92	3.35	5.33	-3.24
10.	नेपाल	2.94	1.62	-0.18	0.37	1.53	0.59	-1.12
11.	पाकिस्तान	4.67	4.05	-4.21	-1.54	1.86	5.24	0.09
12.	फिलीपाइंस	2.05	0.42	2.72	-1.29	-0.49	10.28	-2.80
13.	सिंगापुर	4.69	5.30	3.63	-2.94	5.51	-1.51	-0.08
14.	श्रीलंका	3.96	0.35	4.99	-2.18	2.99	2.20	-0.37
15.	वियतनाम	7.13	6.98	5.85	3.54	2.61	4.67	4.13

स्रोतः ए पी ओ एशिया प्रशांत उत्पादकता आंकड़े तथा विश्लेषण 2003, टोक्यो, जापान

4.5 तल चिन्हित देशों जैसे कि आस्ट्रेलिया, जर्मनी,इंग्लैंड और अमेरिका की तुलनात्मक स्थिति के मुकाबले वर्ष 1995 में 2001 के दौरान भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि में काफी सुधार आया है जो कि वैश्विकरण के इन वर्षों में उच्च श्रम उत्पादकता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में आए सुधारोन्मुख बदलाव को दर्शाता है जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तल चिन्हित देशों

क्रम सं.	देश	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001
1.	आस्ट्रेलिया	0.00	2.65	2.62	3.34	2.16	0.01	1.77
2.	जर्मनी	1.80	0.95	1.90	-2.93	0.77	1.30	-0.07
3.	इंग्लैंड	1.68	1.47	1.55	1.78	1.19	1.67	1.83
4.	अमेरिका	1.16	2.09	2.14	2.77	2.53	2.43	-0.28

स्रोत : ए पी ओ एशिया प्रशांत उत्पादकता आंकड़े तथा विश्लेषण 2003, टोक्यो, जापान

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद

4.6 राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् एक स्वायत्त शासी निकाय है तथा इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है :-

- इसका उद्देश्य उत्पादकता में ज्ञान और अनुभवों का प्रचार करना, उत्पादकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उसमें सुधार करना,

अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को सुदृढ़ तथा प्रतिस्पर्धी बनाना तथा श्रमिक के जीवन की दशाओं एवं गुणवत्ता में सुधार करना है ।

- इसका संचालन क्षेत्रीय निदेशालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से होता है ।
- भारत सरकार के मंत्रालयों तथा नियोक्ता एवं कर्मकार संगठनों के प्रतिनिधि परिषद के सदस्य हैं ।
- यह प्रबंधन सेवाओं, औद्योगिक प्रशिक्षण तथा मानव विकास के क्षेत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है तथा औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में परामर्शी सेवाएं भी प्रदान करता है ।
- इसमें उत्पादकता में सराहनीय योगदान देने वाले उपक्रमों को मान्यता देने तथा अन्य उपक्रमों को अपनी उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से चयनित उद्योग समूहों के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता पुरस्कार शुरू किए गए हैं ।

प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार

4.7 उत्पादन तथा उत्पादकता, प्रौद्योगिकीय नवाचरण, लागत में बचत करने, आयात के विकल्प लाने, विदेशी मुद्रा में बचत के प्रति उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने तथा कर्तव्यों के निर्वहन में अनुपम जोश और उत्साह का प्रदर्शन करने के लिए श्रम मंत्रालय, केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागीय/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के नियोजित कर्मकारों, (औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में यथा परिभाषित) के लिए **प्रधानमंत्री के श्रम पुरस्कार** नामक योजना का संचालन करता है । केवल वही कामगार इस पुरस्कार के पात्र हैं जो विनिर्माण तथा उत्पादकता प्रक्रियाओं में लगे हैं और जिनका निष्पादन मूल्यांकन करने योग्य हैं । प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर इन पुरस्कारों की घोषणा की जाती है । अग्रताक्रम के अनुसार ये पुरस्कार हैं : श्रम रत्न, श्रम भूषण, श्रम वीर और श्रम श्री/श्रम देवी । एक वर्ष में नकद पुरस्कार की राशि और पुरस्कारों की संख्या निम्नवत् हैं :

पुरस्कार का नाम	**नकद पुरस्कार की राशि (रुपए में)**	**पुरस्कारों की संख्या**
श्रम रत्न	2,00,000	1
श्रम भूषण	1,00,000	2
श्रम वीर	60,000	6
श्रम श्री/श्रम देवी	40,000	8
	कुल	**17**

4.8 नकद पुरस्कार के अलावा पुरस्कार विजेता प्रधान मंत्री से एक सनद भी प्राप्त करते हैं।

4.9 माननीय प्रधान मंत्री ने 25 अप्रैल, 2003 को 01 महिला सहित 37 श्रमिकों को वर्ष 2001 के लिए पुरस्कार वितरित किए । वर्ष 2002 और 2003 के लिए पुरस्कार क्रमशः 25 जनवरी 2003 एवं 14 अगस्त, 2003 को घोषित किए गए ।

4.10 वर्ष 2004 से, 500 से अधिक श्रमिकों को नियोजित करने वाली निजी क्षेत्र की इकाइयों को भी प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार के दायरे में लाया गया है । पुरस्कारों की मौजूदा संख्या 17 को भी बढ़ाकर 33 कर दिया गया है । इसके अलावा श्रम वीर के साथ-साथ एक श्रम वीरांगना पुरस्कार भी शुरू किया गया है ।

****